भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1485
बुधवार, दिनांक 31 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

ग्रीन हाइड्रोजन हब

1485. श्री केसिनेनी शिवनाथः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मिशन के तहत ग्रीन हाइड्रोजन हब के विकास के लिए भारत भर में चिह्नित स्थानों का ब्यौरा क्या है, उनके चयन के लिए उपयोग किए गए मानदंड और आरंभ में योजनाबद्ध हब की संख्या क्या है;

(ख) भारत में ग्रीन हाइड्रोजन हब और संबंधित अवसंरचना परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए आवंटित, वितरित और उपयोग की गई धनराशि की वर्तमान स्थिति क्या है, और

(ग) क्या सरकार भारत के राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में अतिरिक्त ग्रीन हाइड्रोजन हब की पहचान करने और उन्हें बनाने की योजना बना रही है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (ग): राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 तक 200 करोड़ रु. के परिव्यय से कम से कम दो हाइड्रोजन केन्द्रों में सहयोग करने के लक्ष्य के साथ भारत में हाइड्रोजन केन्द्र स्थापित करने के लिए योजना दिशानिर्देशों को दिनांक 15 मार्च, 2024 को अधिसूचित किया गया।

सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (सेकी) को मिशन के तहत ग्रीन हाइड्रोजन केन्द्र के लिए योजना कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

दिशानिर्देशों के अनुसार, चयन के मानदंडों में अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

i. हाइड्रोजन और उसके डेरिवेटिव्स का नियोजित उत्पादन, जिसमें अन्य के साथ-साथ हस्ताक्षरित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन समझौता, प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता, उपलब्ध और नियोजित अवसंरचना शामिल है।
ii. प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोग और अंतिम उपयोग, जिसमें अन्य के साथ-साथ अंतिम उपयोग वाले उद्योगों की उपस्थिति, क्षेत्र में हाइड्रोजन की वर्तमान मांग और भविष्य के अनुमान, निर्यात टर्मिनल से निकटता तथा हाइड्रोजन अथवा उसके डेरिवेटिव्स के ठोस ऑफ-टेक करारों पर हस्ताक्षर शामिल हैं।
iii. वित्तीय प्रतिबद्धता, जिसमें अन्य के साथ-साथ वित्तीय व्यवहार्यता, इक्विटी निवेश और वित्तीय संस्थानों के साथ वित्त पोषण से संबंधित करार आदि शामिल हैं।

मिशन के तहत हाइड्रोजन केन्द्र के लिए अब तक कोई विशिष्ट स्थान की पहचान नहीं की गई है।

तथापि, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने हाइड्रोजन केन्द्रों के विकास के लिए तीन प्रमुख पत्तनों अर्थात् दीनदयाल, पारादीप और वीओ चिदम्बरनार (तूतीकोरिन) की अलग से पहचान की है।

*****